

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost

NAME OF NEWSPAPERS--- TUESDAY, 22 OCTOBER, 2024 | NEW DELHI---

Normalcy returns, but fear persists among Delhi's Prashant Vihar locals

NARESH BISWANI

NEW DELHI: On Monday, the spot in Prashant Vihar, where an explosion took place on Sunday, seems to be back to normal. Nevertheless, fear still grips the residents of the locality. After Sunday's blast outside the CRPF School in Prashant Vihar, security has been beefed up by the CRPF men and Delhi Police officers who have been stationed outside the school. Still, parents are very cautious while sending their children to school in this area.

The traffic outside the school was moving normally, but attendance at Lancer Public School nearby witnessed a marked decline on Monday. Surendra Singh, the school taxi driver, used to bring as many as 20 students to Lancer Public School daily, but only 7 students showed up on Monday. Another driver, Inderjit Singh, who usually brings 7 students, said only 3 appeared. All shops stand shut on the frontline in front of the CRPF School. On the other hand, all other businesses here are carrying on with normal activities.

On Sunday, the schools had closed for the weekend,



NIA & Delhi Police officials investigate the blast site near a CRPF school in Prashant Vihar PIC/NAVEEN SHARMA

which spares what otherwise would have been a catastrophic tragedy. This is a blast site situated just a hundred meters from another private school and has more than 6,000 combined enrolled students. On normal days, the area is congested with cars, buses, and students. "If this was on a school day, it would be worse. Panic would set in and stampede."

The Delhi police said on Monday that they are probing pro-Khalistan groups over the blast, with reports indicating that a Telegram channel linked to such groups had shared CCTV footage of the incident. The footage was posted along

with a message 'warning' India. Sources have revealed that the police have written to Telegram, requesting information about the group behind the post. Deputy Commissioner of Police (DCP), Rohini, Amit Goel, said, "It's too early to say anything at this moment; the inquiry is in progress."

The explosive was suspected to be a crude bomb, and some pieces of potassium chlorate, hydrogen peroxide, and electrical wires were found on the spot. The NIA will soon formally take over the case from Delhi Police for further investigation.

The Delhi Police and other

security agencies have sounded alert to their units in the wake of the incident.

CRPF School has four gates. The blast happened just a few feet away from Gate Number 1. It was further mentioned that most students enter the school through this very gate. The parents showed concern, stating that security personnel were indeed available in the school. However, there was not enough vigilance at the gate and places around it.

On the one hand, there is a police booth at a distance of 200 meters from the school, while Prashant Vihar Police Station and Rohini Court are

Takeaways

- » CRPF School has four gates. The blast happened just a few feet away from Gate No 1
- » It was further mentioned that most students enter the school through this very gate. The parents showed concern, stating that security personnel were indeed available in the school

within 500 meters from the blast site. Locals are questioning the effectiveness of security measures, labelling it a failure by the police and agencies, despite police claims of significantly increased security around schools.

The blast occurred at the DDA market, known for its busy weekends, though the timing in the morning helped prevent major casualties. Shops within a 200-metre radius were closed. Increased security is now in place around schools in Rohini, Prashant Vihar, and Pitampura, with private guards on high alert and CCTV cameras being checked.

DDA VICE CHAIRMAN SUBHASISH PANDA APPOINTED ADDITIONAL SECY IN PMO

NEW DELHI: Senior bureaucrat Subhasish Panda has been appointed as additional secretary in the Prime Minister's Office (PMO), according to an official order. Panda, a 1997 batch Indian Administrative Service (IAS) officer of Himachal Pradesh cadre, is currently vice chairman in Delhi Development Authority (DDA). He has been appointed as additional secretary, PMO on a lateral shift basis for the balance period of his deputation tenure, which is till January 2, 2027, said the order issued by the personnel ministry.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर

नई दिल्ली, मंगलवार 22 अक्टूबर, 2024

NAME OF NEWSPAPERS

पंजाब केसरी 22 अक्टूबर, 2024 ▶ मंगलवार

जाली दस्तावेज से डीडीए की जमीन बेचते थे, मामले में तीन गिरफ्तार

आरोपी खुद को डीडीए का कर्मचारी बता लोगो को जाल में फंसाते थे

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

डीडीए जमीन के जाली दस्तावेज तैयार कर उसे बेचने वाले एक गिरोह का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी सराय रोहिल्ला थाने का बौसी है। उस पर 38 आपराधिक केस दर्ज मिले हैं। आरोपियों के पास से ई-स्टॉप प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि, डीडीए फॉर्म, बिक्री विलेख, डीडीए अधिकारियों के टिकट समेत बहुत सारे दस्तावेज मिले हैं। आरोपियों की पहचान श्रीनगर कॉलोनी सिंधोरा कलां, मदन मोहन शर्मा, मदनगीर निवासी दीपक और फरीदाबाद हरियाणा निवासी अनिल कुमार के तौर पर

डीडीए की खाली भूमि की रैकी करते थे आरोपी

इस भूमि घोटाले की जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले 18 अक्टूबर को अनिल कुमार को पकड़ा। इसके बाद दो अन्य आरोपी पकड़े गए। पुलिस की पूछताछ में आरोपी अनिल कुमार ने खुलासा किया कि वे खाली पड़ी डीडीए भूमि की रैकी करते थे। एक बार भूमि का चयन होने के बाद वे उसके जाली दस्तावेज तैयार करवाते और उसके बाद खुद डीडीए अधिकारी बन लोगों को अपने ट्रैप में लेते। खरीददार का विश्वास हासिल करने के लिए वे उसे स्थायी पट्टा, ई-स्टॉप प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि, डीडीए फॉर्म आदि सौंप देते थे और इसके बदले में उससे मोटी रकम लेते थे।

हुई। डीसीपी साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट सुरेन्द्र चौधरी ने बताया पिछले साल पंद्रह जुलाई को सरोजिनी नगर थाने में एक सब रजिस्ट्रार की शिकायत पर जालसाजी और साजिश से जुड़ी धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। एक प्लॉट संजय माथुर के नाम पर किया गया था।

जांच के दौरान संजय माथुर ने बताया अनिल कुमार और दीपक ने मदन मोहन के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। मदन मोहन और

प्रदीप ने खुद को डीडीए का कर्मचारी बताया और डीडीए प्लॉट देने के बहाने उससे 85 लाख रुपये ले लिए। आरोपियों ने उसे इस भूखंड का कन्वेस डीड उसे सौंप दिया और जब वह भूखंड के पंजीकरण के लिए उप-रजिस्ट्रार कार्यालय गया तो इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। उसे दिए गए दस्तावेज नकली पाए गए। बाद में इस केस की जांच डीआईयू को ट्रांसफर कर दी गई।

डीडीए की जमीन पर कब्जा कर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीआईयू स्टाफ ने डीडीए की जमीन पर कब्जा कर बेचने वाले तीन भू-माफियाओं को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मदन मोहन शर्मा, उर्फ



पप्पू, दीपक और अनिल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी खुद को डीडीए अधिकारी बताकर फर्जीवाड़ा कर रहे थे। इनमें एक शातिर आरोपी सराय रोहिल्ला थाने का भगौड़ा घोषित है और उस पर 38 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से फर्जी ई-स्टॉप प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि, डीडीए फॉर्म सहित डीडीए अधिकारियों के स्टॉप बरामद किए हैं। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। डीसीपी सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि आरोपी डीडीए की खाली पड़ी जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर उस पर कब्जा करते थे। उन्होंने एक व्यक्ति को 85 लाख रुपये में डीडीए की जमीन भी बेच दी थी। इनके खिलाफ गत 15 जुलाई को सरोजिनी नगर के सब रजिस्ट्रार ने केस दर्ज कराया था। शिकायत में बताया कि संजय माथुर नामक एक शख्स द्वारा फर्जी डीड बनवाई है। पूछताछ में संजय ने बताया कि अनिल कुमार, दीपक, मदन मोहन और प्रदीप ने उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने खुद को डीडीए का अधिकारी बताया। ठगों ने उन्हें झांसे में लिया और उसे डीडीए का प्लॉट कम दामों पर दिलाने की बात कही। वह उसके झांसे में आ गए।

amarujala.com

नई दिल्ली | मंगलवार, 22 अक्टूबर 2024

डीडीए की जमीन पर कब्जा करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी पश्चिमी जिले की जिला जांच यूनिट ने डीडीए की जमीन पर कब्जा करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर तीन भू-माफिया मदन मोहन शर्मा उर्फ पप्पू, दीपक और अनिल कुमार को गिरफ्तार किया है। इन्होंने खुद को डीडीए का अधिकारी बताकर जमीन पर कब्जा कर लिया था। इनमें एक शातिर सराय रोहिल्ला थाने से भगौड़ा घोषित है और 38 मामलों में संलिप्त रह चुका है। पुलिस ने इनके पास से फर्जी ई-स्टॉप प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि, डीडीए फॉर्म सहित डीडीए अधिकारियों के स्टॉप बरामद किए हैं।

दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ सरोजिनी नगर के सब रजिस्ट्रार ने 15 जुलाई को मामला दर्ज कराया था। शिकायत में संजय माथुर नाम के व्यक्ति के पक्ष में बनाई गई फर्जी डीड के बारे में बताया गया। पूछताछ में संजय ने बताया कि अनिल कुमार, दीपक, मदन मोहन और प्रदीप ने उनसे मुलाकात की थी। आरोपियों ने खुद को डीडीए का अधिकारी बताते हुए कहा कि वह उसे डीडीए का प्लॉट कम दामों पर दिला देंगे। आरोपियों ने उससे 85 लाख रुपये ले लिए। संबंधित प्लॉट की डीड संजय को सौंप दी। जब संजय प्लॉट के पंजीकरण के लिए उप-पंजीयक कार्यालय गए तो उन्हें फर्जीवाड़े का पता चला। यूरो

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

TUESDAY, OCTOBER 22, 2024

NAME OF NEWSPAPERS-- THE INDIAN EXPRESS, -----DATED-----

3 arrested for posing as DDA officials, selling plots

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, OCTOBER 21

THREE MEMBERS of a land-grabbing gang have been arrested for allegedly forging documents for Delhi Development Authority (DDA) land plots and selling the same to unsuspecting buyers, police said.

The three men — Madan Mohan Sharma (61), Deepak (40), and Anil Kumar (46) — were arrested on October 18. They were involved in creating forged perpetual leases, e-stamp certificates, DDA forms, sale deeds, and counterfeit stamps of DDA officials, said police.

On July 15, 2023, the sub-registrar's office had approached the police alleging that a man named Sanjay Mathur had filed a complaint with it in regard to a forged conveyance deed for a plot executed in his favor. Mathur had alleged that the three men, posing as DDA employees, had lured him into purchasing a DDA plot for Rs 85 lakh. When Mathur attempted to register the plot at the sub-registrar's office, the documents were found to be fake.

"During interrogation, Anil Kumar disclosed that they used to conduct recce of abandoned DDA land and after selecting one, prepared forged documents for the same," said South West DCP Surendra Choudhary.

"They would then introduce themselves as DDA officials to prospective buyers and convince them to buy the plot. To gain their trust, they also used to hand over perpetual leases, a copy of an e-stamp certificate, DDA form, and other documents to the buyer and took a huge sum of money from the buyer," he added.

The police have recovered several incriminating materials, including forged DDA documents, stamps, and sale deeds from the accused. Efforts are underway to arrest the remaining accomplice, Pradeep, said an officer.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, OCTOBER 22, 2024

DATED

Crooks pose as DDA officials to cheat man of ₹85L

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: In a tale reminiscent of the film *Khosla Ka Ghosla*, three alleged land sharks — Anil Kumar (46), Madan Mohan Sharma (61) and Deepak (40) — posed as Delhi Development Authority (DDA) officials, duping unsuspecting buyers with fake land deals.

Their latest victim, Sanjay Mathur, lost Rs 85 lakh to them. Like *Khosla's* clever cons, the trio employed tactics. They would scour abandoned DDA land, hand-pick prime plots to peddle as their own. With fake documents crafted to perfection, they would convincingly pose as authority figures, exploiting buyers' trust.

This "con game" left victims financially devastated.

Kumar, Sharma and Deepak have been arrested. A fourth suspect, identified as Pradeep, is absconding.

Police said they got a complaint on July 15 regarding a forged conveyance deed for a plot executed in favour of Sanjay Mathur. Mathur informed the police that Anil and Deepak, in criminal conspiracy with Madan Mohan and Pradeep, introduced themselves as DDA employees.

A senior officer said they allegedly convinced Mathur to buy a DDA plot for them and took Rs 85 lakh from him.

The trio handed over to Mathur what they said was a conveyance deed for the

transfer of the supposed plot. When Mathur visited the sub-registrar's office for registration of the plot, he was told that the documents were fabricated.

DCP (south west) Surendra Choudhary said that Kumar had disclosed that the gang used to do reconnaissance of abandoned DDA land. After selecting the plot, they used to prepare forged papers. Thereafter, they used to introduce themselves as DDA officials to prospective buyers and convince them to obtain allotments of the fake land. To gain the trust of the buyers, they would hand them a perpetual lease, a copy of the e-stamp certificate, and DDA form to the buyers in exchange for a big sum.

Hindustan Times

3 defraud man of ₹85L, arrested

NEW DELHI: Three people were arrested for impersonating DDA officials and fraudulently selling plot to a buyer by preparing forged documents. They had allegedly defrauded the victim of ₹85 lakh.

The arrested accused are Madan Mohan Sharma alias Pappu, Deepak Kumar — both residents of Delhi — and Anil Kumar, from Faridabad.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान

नई दिल्ली, मंगलवार, 22 अक्टूबर 2024

नवभारत टाइम्स

नई दिल्ली, मंगलवार,
22 अक्टूबर 2024

NAME OF NEWSPAPERS-

DATED-

डीडीए की जमीन पर किया कब्जा, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, चरिष्ठ संवाददाता। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस डीआईयू यूनिट ने फर्जी दस्तावेज बनाकर डीडीए की जमीन पर कब्जा करने वाले तीन भू माफियाओं को गिरफ्तार किया।

आरोपी मदन मोहन शर्मा, दीपक और अनिल कुमार के पास से फर्जी ई-स्टॉप प्रमाण पत्र की प्रति, डीडीए फार्म सहित अधिकारियों के स्टॉप बरामद किए हैं। इनमें एक शातिर सराय रोहिल्ला थाने से भगोड़ा घोषित है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 15 जुलाई को सरोजिनी नगर के सब रजिस्ट्रार ने सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि सरकारी जमीन की फर्जी डीड संजय माथुर नाम के व्यक्ति के पक्ष में बनाई गई है। पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि अनिल कुमार, दीपक, मदन मोहन और प्रदीप ने उनसे मुलाकात की थी। खुद को डीडीए का अधिकारी बता कर 85 लाख रुपये में प्लॉट बेचा था।

फर्जीवाड़ा कर DDA की जमीन बेचने वाले तीन आरोपी अरेस्ट

■ एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली

साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की डीआईयू सेल ने डीडीए की जमीन के फर्जी कागजात बनाकर लोगों को बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी के अनुसार आरोपियों की पहचान मदन मोहन शर्मा उर्फ पप्पू, दीपक और अनिल कुमार के रूप में हुई है। आरोपी खुद को डीडीए अधिकारी बताकर फर्जीवाड़ा कर रहे थे। मदन मोहन शर्मा सराय रोहिल्ला थाने का भगोड़ा है और 38 मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने इनके पास से फर्जी ई-स्टॉप

प्रमाण पत्र की प्रति, डीडीए फॉर्म सहित डीडीए अधिकारियों के स्टॉप बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस मुख्य आरोपी प्रदीप की तलाश कर रही है। डीसीपी के अनुसार डीआईयू सेल में कार्यरत एसआई विनोद कुमार की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ 15 जुलाई को सरोजिनी नगर के सब रजिस्ट्रार ने केस दर्ज कराया था। इसमें संजय माथुर नाम के व्यक्ति के पक्ष में बनाए गए फर्जी कागजात के बारे में बताया गया। संजय ने बताया कि अनिल कुमार, दीपक, मदन मोहन और प्रदीप ने प्लॉट के नाम पर 85 लाख उग लिए।

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 2024

फर्जी दस्तावेज बना डीडीए की जमीन बेचने वाले धरे



जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने डीडीए की जमीन पर कब्जा करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर तीन भूमाफिया को गिरफ्तार किया है। आरोपित खुद को डीडीए अधिकारी बताकर फर्जीवाड़ा कर रहे थे। इनमें एक शातिर सराय रोहिल्ला थाने से भगोड़ा घोषित है और 38 मामलों में संलिप्त रह चुका है।

पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि आरोपितों की पहचान

एक व्यक्ति से हड़पे थे 85 लाख रुपये

आरोपितों के खिलाफ 15 जुलाई को सरोजिनी नगर के सब रजिस्ट्रार ने केस दर्ज कराया था। इसमें संजय माथुर नाम के व्यक्ति के पक्ष में बनाई गई फर्जी डीड के बारे में बताया गया। पूछताछ में संजय ने बताया कि अनिल कुमार, दीपक, मदन मोहन और प्रदीप ने उनसे मुलाकात की थी। आरोपितों ने खुद को डीडीए का अधिकारी बताया। इसके बाद आरोपित ने पीड़ित को झांसे में लिया कि वह उसे डीडीए का प्लॉट कम दामों पर दिला देंगे। फिर आरोपितों ने पीड़ित को झांसे में लेकर एक प्लॉट देने के नाम पर उनसे 85 लाख रुपये ले लिए। संबंधित प्लॉट की डीड आरोपितों ने संजय को सौंप दी। जब संजय प्लॉट के पंजीकरण के लिए उप-पंजीयक कार्यालय गए, तो उन्हें फर्जीवाड़े का पता चला। आरोपितों ने उन्हें फर्जी दस्तावेज दे रखे थे। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार किया।

जाली दस्तावेज देकर रकम हड़प लेते थे आरोपित

पुलिस पूछताछ में अनिल ने बताया कि वह खाली पड़ी डीडीए जमीन की रेकी करता था। फिर उस जमीन के जाली दस्तावेज बनवाते थे। इसके बाद खुद को डीडीए का अधिकारी बता खरीदारों से मिलते थे। खरीदार को झांसे में लेने के बाद उन्हें फर्जी दस्तावेज सौंपकर लाखों रुपये हड़पकर फरार हो जाते थे। मामले में प्रदीप नाम का आरोपित फरार है।

सिंधोरा कला निवासी मदन मोहन शर्मा उर्फ पप्पू, मदनगौर निवासी दीपक और हरियाणा के फरीदाबाद निवासी अनिल कुमार के रूप में

हुई है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपित डीडीए की खाली पड़ी जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर उस पर कब्जा कर लेते थे। पुलिस

ने इनके पास से फर्जी ई-स्टॉप प्रमाणपत्र की प्रति, डीडीए फार्म सहित डीडीए अधिकारियों के स्टॉप बरामद किए हैं।

यदि न हो समस्या का हल
दैनिक जागरण आपके मुँह को उठा
रहा है। अगर, आपकी समस्या
का हल नहीं हो रहा है तो दिल्ली
शिकायत प्राधिकरण (डीडीए) के
हेल्पलाइन नंबर 1800110332 पर
संपर्क कर सकते हैं। वहीं दक्षिण
दिल्ली नगर निगम कार्यालय के
दूरभाष नंबर 011-47501986 के
साथ ही दिल्ली पुलिस के हेल्पलाइन
नंबर 112 पर भी शिकायत की जा
सकती है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----- **हिन्दुस्तान** नई दिल्ली, मंगलवार, 22 अक्टूबर 2024

दिल्ली विकास प्राधिकरण
(मर्ती प्रकोष्ठ)
विज्ञापन सं. 04/कंसल्टेंट/2024/रिक्र.सेल
सूचना
अल्पावधि अनुबंध आधार पर पेशेवर युवाओं की नियुक्ति
दिल्ली विकास प्राधिकरण पूर्णतः अल्पावधि अनुबंध आधार पर निम्नलिखित पेशेवर युवाओं की नियुक्ति का प्रस्ताव करता है:

क्र.सं.	पद का नाम	कंसल्टेंट की सं.	विभाग
01	पेशेवर युवा	01	जन संपर्क

इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन दिनांक 02.11.2024 तक या उससे पूर्व केवल ऑनलाइन द्वारा ई-मेल consultant.rc@dda.org.in के माध्यम से जमा करें।
पूर्ण अधिसूचना, बायो-डाटा प्रारूप आदि के लिए कृपया डीडीए की वेबसाइट www.dda.gov.in को देखें।
आयुक्त (कार्मिक)

f ddaofficial x official_dda o official_dda पर हमें फॉलो करें
कृपया दि.वि.प्रा. की वेबसाइट www.dda.gov.in देखें या टॉल फ्री नं. 1800110332 डायल करें

Hindustan Times NEW DELHI
TUESDAY
OCTOBER 22, 2024

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
(RECRUITMENT CELL)
Advertisement No: 04/Consultant/2024/Recrt. Cell
NOTICE
Engagement of Young Professional in DDA on short term contractual basis.
Delhi Development Authority proposes to engage the following Young Professional purely on short term contractual basis:

Sl.No.	Name of Post	No. of consultants	Department
01	Young Professional	01	Public Relation

The aspiring candidates are requested to submit the application in the prescribed format through online mode only at the email: consultant.rc@dda.org.in on or before 02.11.2024
For complete notification, bio-data format etc. kindly visit DDA's website www.dda.gov.in → Jobs → Select Job Category → Jobs 2023-24.
Commissioner (Personnel)

Follow us on f ddaofficial x official_dda o official_dda
Please Visit DDA's website at www.dda.gov.in or Dial Toll Free No. 1800110332